समाजशास्त्र विद्यार्थी सेमीनार

''21वी सदी में बढता सायबर अपराध : कारण एवं रोकथाम ''

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर के समाजशास्त्र विभाग और आान्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 26 फरवरी 2019 को '21वी सदी में बढता सायबर अपराध कारण एवं रोकथाम विषय पर विधार्थी सेमीनार का आयोजन किया गया। विद्यार्थी सेमीनार में समाजशास्त्र विषय की छात्राओं ने प्रस्तुतिकरण के विविध तरीकों जैसे मौखिक, पावर पांईट एवं पोस्टर के माध्यम से विषय की प्रकृति को समझाया।

विद्यार्थी सेमीनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ सीहोर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री समीर यादव जी थे। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. जया शर्मा एवं अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा ने की।

सरस्वती पूजन के पश्चात् अध्यक्ष की सहमति से सेमीनार का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा लाहोटी ने विद्यार्थी सेमीनार के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। विषय की गंभीरता को छात्राओ के समक्ष रखने के लक्ष्य से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीर यादव जी ने बताया कि आज के समय में इन्टरनेट एवं स्मार्ट/एन्ड्रॉयड फोन पर जनमानस की अंधाधुंध अतिनिर्भरता घातक है। निःसंदेह सुविधापूर्ण जीवन तो प्राप्त हुआ है पर अज्ञानता एवं जागरूकता के अभाव में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से व्यक्ति सायबर अपराध में उलझ रहा है। यादव जी ने अपने व्याख्यान में सायबर अपराध के दुष्प्रभाव से बचने के महत्वपूर्ण तरीके बताये। उन्होनें कहा कि जब इन्टरनेट की आवश्यकता हो तभी इन्टरनेट डाटा को खोलना चाहिये। बेवजह पूरे समय में इन्टरनेट का डाटा खुले रहने से वायरस अटैक की आशंका होती है। ई–मेल का पासवर्ड किसी को नही बताना चाहिए। और पासवर्ड बनाना, उसे गुप्त रखना भी अत्यावश्यक है। यदि आप किसी भी वेबसाइट पर लॉग–ईन करते हैं, तो उससे बाहर निकलने के लिए लॉग आउट भी करना चाहिए। इन्टरनेट सोशल मीडिया पर महिला यूजर्स की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ रही है, उन्हें सावधानी से इनका उपयोग करना चाहिए। निजी फोटो, नंबर किसी को शेयर नही करना चाहिए। **बचाव में ही सुरक्षा** है इसी मंत्र को अपनाना चाहिए।

इसी सत्र में विशिष्ट अतिथि डॉ. जया शर्मा ने पावर पॉइंट के द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया और छात्राओं को सायबर सुरक्षा के विषय में जानकारियॉ दी। अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा ने सायबर अपराध की गंभीरता पर विचार प्रस्तुत करते हुए छात्राओ को सतर्क रहने के लिए अगाह किया। उद्घाटन सत्र का संचालन कु. निधि राजेशिया बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर एवं मुस्कान रायकवार बी.ए. द्वितीय वर्ष समाजशास्त्र ने संयुक्त रूप से किया।

उद्घाटन सत्र के उपरान्त तकनीकी सत्र प्रारंभ हुआ। इस तकनीकी सत्र में शोध आलेख प्रस्तुत किए गये। इसके अंतर्गत एम.ए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कु. दिव्यानी पाठक ने स्वरचित कविता के माध्यम से समस्या के कारण एवं परिणाम पर प्रकाश डाला। कु. पूर्वी ठाकुर, कु. सलोनी चौहान बी.ए. 6 सेमेस्टर एवं कु. मुस्कान रायकवार बी.ए. द्वितीय वर्ष ने पोस्टर प्रजेंटेशन के माध्यम से सेमीनार में सहभागिता की । बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा आरती मालवीय ने बढ़ते हुए सायबर अपराध को आंकड़ो के माध्यम से प्रस्तुत किया। बी.ए. द्वितीय वर्ष कु. रचना मालवीय ने फर्जी कॉल से प्रभावित होकर किसी भी प्रकार की जानकारी न देने के लिए अगाह किया। साक्षी चौहान बी.ए. प्रथम वर्ष ने विभिन्न सायबर अपराधो की चर्चा करते हुए भारत में सायबर कानून व्यवस्था पर प्रकाश डाला। कु. राधा सेन बी.ए. 6 सेमेस्टर ने ए.टी.एम. की सुरक्षा के लिए सावधानियां विषय पर आलेख प्रस्तुत किया। इस प्रकार से 31 विद्यार्थियों ने सेमीनार में आलेख प्रस्तुत किए। इस तकनीकि सत्र के विषय विशेषज्ञ सीहोर के सायबर सेल के तकनीकी जानकार श्री दीपक साल्वे जी थे। साल्वे जी ने अपने महत्वपूर्ण उद्बोधन में उपयोगी जानकारियों से बताया कि कैसे सायबर अपराध से बचा जा सकता है। उन्होने मोबाइल फोन में डाटा व्यवस्थित करना, सोच समझकर एप्लीकेशन डाऊनलोड करना, उपयुक्त पासवर्ड को बनाना और उसे गोपनीय रखना इत्यादि उपयोगी जानकारी दी।

छात्राओं ने भी श्री साल्वे जी से प्रश्नोत्तर किये और अपनी जिज्ञासा का समाधान किया। समाजशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती अर्चना चौहान ने पॉवर पाइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा विभिन्न प्रकार के सायबर अपराध से छात्राओं को अवगत कराया। डॉ. प्रतिभा सोनी ने सायबर अपराध से बचने के उपाय बताते हुए सेमीनार में छात्राओं को उत्साहपूर्ण सहभागिता हेतु बधाई दी।

प्रमाण–पत्र वितरण के रूप में अंतिम सत्र हुआ। जिसमें आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के द्वारा सेमीनार में आलेख प्रस्तुतिकरण हेतु प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। सर्वश्रेष्ठ आलेख हेतु कु. साक्षी चौहान बी.ए. प्रथम वर्ष का चयन किया गया। इस सत्र में डॉ. अमोल मांजरेकर ने अध्यक्षता की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. कलिका डोलस, डॉ. राजेश बकोरिया, श्री कमल महेश्वरी, श्री ओमप्रकाश परमार उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा लाहोटी ने उपस्थित अतिथियों को साधुवाद दिया और विद्यार्थी सेमीनार की सफलता हेतु छात्राओं को बधाई दी।